प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

राष्ट्रीय पोषण माह 2021 के उपलक्ष्य में महिलाओं हेतु वेबिनार आयोजित

पंतनगर। 30 सितम्बर 2021। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह 2021 के उपलक्ष्य में 'महिलाओं के संपूर्ण जीवनकाल में पोषण की महत्ता' विषयक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, विशेषकर, गर्भवती महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी तथा आने वाली संतान पर इसके दुष्प्रभाव पर चर्चा करना था। यह वेबिनार राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था। वेबिनार का प्रारम्भ डा. नीतू डोभाल, सहायक प्राध्यापिका, खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा सभी उपस्थित प्रतिष्ठितगण एवं सहभागियों के साथ किया गया।

कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला, ने मंगलवार को आयोजित इस वेबिनार में उपस्थित सभी आयोजकों एवं सहभागियों को शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि इस वेबिनार से महिलाओं को अपने स्वास्थ्य में सुधार लाने में निश्चय ही मदद मिलेगी। निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन, ने मौजूदा दौर में ग्रामीण महिलाओं की पोषण स्थिति में सुधार लाने में खाद्य एवं पोषण विभाग की भूमिका को सराहा और आयोजक समिति को बधाईयां दीं। वरिष्ठ शोध अधिकारी, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार, श्री आशुतोष पाण्डे, ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे 'पोषण अभियान' पर जानकारी देते हुए आयोजित वेबिनार को महिलाओं के स्वास्थ में सुधार लाने हेतु महत्वपूर्ण कदम बताया। प्राध्यापिका एवं कार्यवाहक अधिष्ठात्री, डा. मनीषा गहलोत ने एक महिला के पूरे जीवनकाल में सही पोषण के महत्व पर बल देते हुए आयोजित वेबिनार को अत्यंत उपयोगी बताया व आयोजकों को बधाई दी। इस अवसर पर प्राध्यापिका, डा. रीता सिंह रघुवंशी, ने जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में पोषण के महत्व तथा कुपोषण से बचने के उपायों पर चर्चा की। प्राध्यापिका, डा. प्रतिमा अवस्थी ने गर्भवती तथा धात्री महिलाओं के उचित स्वास्थ को बनाये रखने में पोषक तत्वों के अहम योगदान पर ध्यान केन्द्रित किया। मुख्य आयोजनकर्ता एवं प्राध्यापिका, डा. अर्चना कुशवाहा, ने बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था में स्वास्थ हेतु उपयुक्त भोजन व पोषण के महत्व को दर्शाया। प्राध्यापिका एवं विभागाध्यक्ष, डा. सरिता श्रीवास्तव ने मौजूदा हालात में तनाव के बढ़ते दुष्प्रभाव पर चिंता जताई तथा साथ ही इसके बचाव व रोकथाम में पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके उपरान्त प्रौढ़ावस्था में उचित पोषण की उपयोगिता के बारे में डा. अनुराधा दत्ता ने बताया। अन्त में वेबिनार आयोजक, डा. अर्चना कुशवाहा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

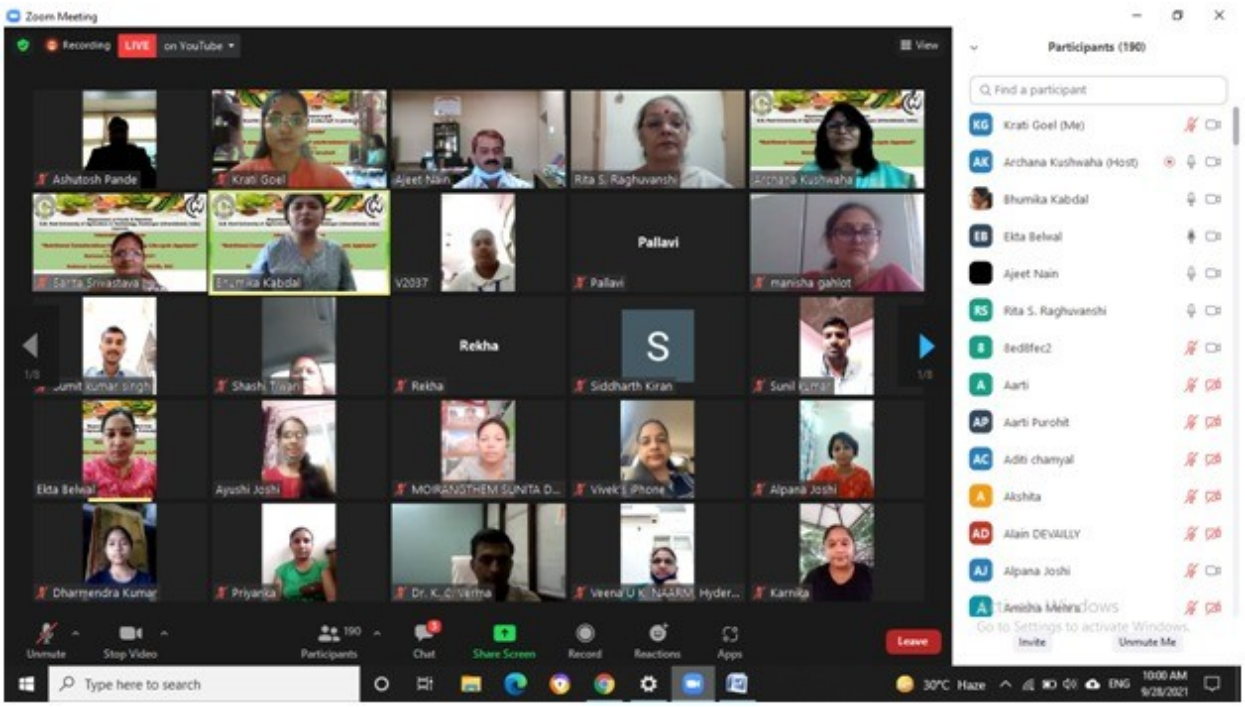

वेबिनार में सहभागियों के साथ वार्ता करते वैज्ञानिक।